भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

वित्तीय सेवाएं विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 64

जिसका उत्तर सोमवार, 21 जुलाई, 2025/30 आषाढ़, 1947 (शक) को दिया गया

घाटे में चल रहे सहकारी बैंक

64. श्री अरुण कुमार सागर:

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या अनेक सहकारी बैंक, विशेषकर पिछड़े क्षेत्रों में घाटे में चल रहे हैं;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) इनमें से प्रत्येक बैंक को विगत तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष में कितना घाटा हुआ है और इसके क्या कारण हैं;

(घ) इन बैंकों द्वारा उक्त अवधि के दौरान किए गए प्रशासनिक व्यय का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) ऐसे घाटे को रोकने के लिए क्या कार्रवाई की जा रही है/किए जाने का विचार है?

उत्तर

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पंकज चौधरी)

(क) से (ङ): भारतीय रिजर्व बैंक और नाबार्ड द्वारा सूचित किए गए अनुसार, विगत तीन वित्तीय वर्ष में परिचालन व्यय सहित राज्य सहकारी बैंकों (एसटीसीबी), जिला मध्यवर्ती सहकारी बैंकों (डीसीसीबी) और शहरी सहकारी बैंकों (यूसीबी) द्वारा उठायी गई हानि का ब्यौरा **अनुबंध-I** में दिया गया है। नाबार्ड ने राज्य सहकारी बैंकों और जिला मध्यवर्ती सहकारी बैंकों के वित्तीय कार्यनिष्पादन में सुधार लाने और हानि को रोकने/कम करने के लिए टर्न अराउंड योजना (टीएपी) कार्यान्वित की है। टीएपी का उद्देश्य एक व्यापक दृष्टिकोण अपनाकर इन सहकारी बैंकों की वित्तीय हानि को कम करना और उनकी समग्र स्थिति में सुधार करना है जिसमें, *अन्य बातों* के साथ-साथ, वित्तीय मापदंडों की समीक्षा और निगरानी, कारोबार विविधीकरण, आंतरिक जांच और नियंत्रण शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त, भारतीय रिजर्व बैंक ने शहरी सहकारी बैंकों की वित्तीय स्थिति को सुदृढ़ बनाने के लिए अनेक उपाय भी किए हैं जिनमें *अन्य बातों के साथ-साथ* निम्नलिखित शामिल हैं:-

i. व्यक्तियों के लिए बढ़ी हुई आवास ऋण सीमा

ii. गैर-प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र में भी लाभकारी क्षेत्रों में ऋण में वृद्धि (40% तक)

iii.यूसीबी के लिए विवेकपूर्ण मानदंडों में छूट – छोटे मूल्य के ऋणों की परिभाषा को 25 लाख रुपये से अधिक मूल्य के ऋण या उनकी टियर-I पूंजी का 0.4 प्रतिशत में बदलना जो भी अधिक हो, जो प्रति उधारकर्ता 3 करोड़ रुपये की सीमा के अध्यधीन होगा।

****

अनुबंध-I

"घाटे में चल रहे सहकारी बैंक" पर दिनांक 21.07.2025 के लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 64 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर के लिए देय विवरण

घाटे में चल रहे सहकारी बैंकों की संख्या

क्र.सं.	**अवधि**	**बैंक का प्रकार**	**घाटे में चल रहे बैंकों की संख्या**	**परिचालन व्यय (करोड़ रुपये में)**	**हानि की राशि (करोड़ रुपये में)**
1	वित्तीय वर्ष 2021-22	एसटीसीबी	3	73.15	-50.25
		डीसीसीबी	49	58030.48	-996.17
		यूसीबी	198	3319.60	-1194.19
2	वित्तीय वर्ष 2022-23	एसटीसीबी	2	56.75	-59.83
		डीसीसीबी	46	73858.23	-997.91
		यूसीबी	134	4426.01	-1468.10
3	वित्तीय वर्ष 2023-24	एसटीसीबी	2	55.54	-35.46
		डीसीसीबी	39	80406.16	-1,403.46
		यूसीबी	104	2958.01	-1236.37
4	वित्तीय वर्ष 2024-25*	यूसीबी	105	1714.27	-885.14

* वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए एसटीसीबी और डीसीसीबी संबंधी आंकडे अभी तक उपलब्ध नहीं है

** चालू वर्ष के सहकारी बैंकों के आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं